हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

WWW.JANVEENA.COM

जनवीणा

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 13 | अंक : 13 | लखनऊ, 07 मार्च, 2024 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

इंडी गठबंधन को जनता नहीं परिवार की चिंता: नड्डा

अनुसूचित जाति को कांग्रेस ने माना केवल वोट बैंक

अम्बेडकर के संविधान सभा के लिए चुने जाने के खिलाफ थी कांग्रेस

मोदी सरकार में 90 फीसदी बढ़ा सामाजिक न्याय मंत्रालय का बजट

दलितों,पीड़ितों,वंचितों को समान अधिकार बिना देश की तरक्की नहीं

लखनऊ (यूएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा आज पहुँचे आगरा और वहाँ आयोजित अनुसूचित जाति महासम्मेलन में शिरकत करते हुए दिशा निर्देशन किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंत्योदय की भावना से प्रेरित होकर सबका साथ, सबका विकास, सबका साथ और सबका प्रयास के संकल्प के साथ देश को आगे बढ़ाने का काम किया।जबकि इंडी गठबंधन के दलों को देश की गरीब जनता की नहीं, उन्हें केवल अपने परिवार को बचाने की चिंता है। भ्रष्टाचार के खिलाफप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाई गई मुहिम से बचने के लिए इकट्ठे हुए नेता या तो बेल पर हैं या जेल में है। बीजेपी ने सदैव ही माना है कि दलितों, पीड़ितों, वंचितों और शोषितों को समान अधिकार देकर आगे लाए बिना देश की तरक्की संभव नहीं ।कांग्रेस ने अनुसूचित जाति के लोगों के कल्याण के लिए कुछ नहीं किया, उन्हें केवल वोट बैंक के रूप में देखा ।कांग्रेस की सोच हमेशा देश को खंडित करने की रही परंतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबको समाहित कर गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी के विकास और सशक्तिकरण के लिए कार्य किया। श्री नड्डा ने कहा भाजपा केवल नारों में नहीं, बल्कि सही मायने में दलितों की तकदीर और तस्वीर बदलने में विश्वास रखती है, जिसे जनहितैषी योजनाओं के माध्यम से आत्मसात किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा दलितों और पिछड़ों की भलाई के लिए काम किया, आज केंद्र की मोदी सरकार में 12 मंत्री दलित समुदाय से हैं। मोदी सरकार में अनुसूचित जाति के कल्याण की दृष्टि से सामाजिक न्याय मंत्रालय का बजट 90 फीसदी बढ़ा है।कांग्रेस ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान सभा के लिए चुने जाने का विरोध किया और देश के लिए उनके योगदान को दरकिनार कर उनका उपहास किया। पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी ने स्वयं को तो भारत रत्न दिया, मगर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को नहीं दिया। जम्मू-कश्मीर में अनुसूचित जाति के लोगों को आरक्षण नहीं दिया जाता था, लेकिन अब दिया जा रहा है, जिससे आज वे लोग भी सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन कर पा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने आज गुरुवार को आगरा के कोठी मीना बाजारी में आयोजित 卐अनुसूचित जाति महासम्मेलन卐 में कहा कि हमारी सरकार का मंत्र ही है - सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास। कार्यक्रम के दौरान मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्या, उत्तर प्रदेश भाजपा प्रभारी बैजयंत जय पांडा, संगठक वी सतीश, भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य सत्यनारायण जटिया, राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ, केंद्रीय मंत्री एस पी सिंह बघेल, सांसद कौशल किशोर, मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी उपस्थित रहे। कांग्रेस पूछा करती थी कि अंत्योदय के क्या अर्थ है? तब भाजपा ने जवाब दिया था कि जब अंत का उदय होगा, तभी भारत का उदय होगा और तभी समाज आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ज्ञान के विकास और सशक्तिकरण के लिए कार्य करना शुरू किया ।ज्ञान में जी का मतलब है गरीब,वाई का मतलब है युवा, ए का मतलब है देश के अन्नदाता और एन का मतलब है नारीशक्ति। जब देश में गरीब तथा युवाओं की चिंता की जाएगी और किसान तथा नारी का सम्मान होगा, तो पूरा समाज और देश आगे बढ़ सकेगा। जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि बाबा साहब के पंचतीर्थ की चिंता कांग्रेस ने क्यों नहीं की। कांग्रेस ने देश के संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर की उपेक्षा और उपहास कर, उन्हें दरकिनार करने का काम किया। कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब के देश के प्रति योगदानको कम आंकने का प्रयास किया। संविधान सभा के अध्यक्ष रहे बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के संविधान सभा के लिए चुने जाने का कांग्रेस पार्टी ने विरोध किया था। यह घटना इतिहास में दर्ज है कि मुंबई से संविधान सभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को हराया था और उन्हे बंगाल जाकर चुनाव लड़ना पड़ा।

भाजपा में महिला होना हो गया अपराध: राहुल-प्रियंका

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में दुष्कर्म पीड़ित दो बहनों तथा उनके पिता के आत्महत्या करने की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि डबल इंजन सरकारों में महिलाओं पर डबल अन्याय हो रहा है भाजपा की सरकारों में महिला होना अपराध हो गया है।

राहुल गांधी ने कहा नरेंद्र मोदी की डबल इंजन सरकारों में हो रहे 'डबल अन्याय' को इन दो घटनाओं से समझिए। उत्तर प्रदेश में दो बहनों ने अपने साथ हुए दुष्कर्म के बाद फांसी लगा ली, अब न्याय न मिलने और मुकदमा वापस लेने के दबाव पर उनके पिता को भी फांसी लगानी पड़ी। मध्य प्रदेश में एक महिला की इज्जत सरेबाजार तार-तार हुई, जब गरीब पति ने न्याय की गुहार लगाई, तो सुनवाई न होने से निराश होकर वह अपने दोनों बच्चों के साथ फांसी पर झूल गया ।डबल इंजन सरकार में न्याय मांगना गुनाह है। मित्र मीडिया द्वारा बड़ी मेहनत से गढ़ी गई झूठी छवि की रक्षा के लिए पीड़ित ही नहीं बल्कि उनके परिवारों तक से दुश्मन जैसा व्यवहार भाजपा शासित राज्यों में परंपरा बन चुकी है। राहुल गांधी ने कहा भाजपा राज में हाथरस से लेकर उन्नाव और मंदसौर से लेकर पौड़ी तक महिलाओं के खिलाफहुए अत्याचार के बाद उनके परिवारों को न्याय के लिए तरसाया गया।

इस भयंकर अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाइए, वरना आज नहीं तो कल इस अत्याचार की आग आप तक भी पहुंचेगी। प्रियंका गांधी ने कहा कानपुर में गैंगरेप से पीड़ित दो नाबालिग बच्चियों ने आत्महत्या कर ली। अब उन बच्चियों के पिता ने भी आत्महत्या कर ली है। आरोप है कि पीड़ित परिवार पर समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा था। उत्तर प्रदेश में पीड़ित बच्चियां-महिलाएं अगर न्याय मांगती हैं तो उनके परिवारों को बर्बाद कर देना नियम बन चुका है। उन्नाव, हाथरस से लेकर कानपुर तक - जहां भी महिलाओं के साथ अत्याचार हुआ, उनके परिवार बर्बाद कर दिए गए। इस जंगलराज में महिला होना भर अपराध हो गया है जहां कानून नाम की कोई चीज नहीं बची है।आखिर प्रदेश की करोड़ों महिलाएं क्या करें, कहां जाएं।

सम्पादकीय

लोकतंत्र के एक और स्तंभ में दरार

बॉम्बे हाई कोर्ट की जस्टिस विनय जी. जोशी और जस्टिस वाल्मीकि एस. मेनेजेस की खंडपीठ ने माओवादियों से कथित संबंध के एक मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर 54 साल के जीएन साईबाबा को बरी कर दिया है। साईबाबा के साथ पत्रकार प्रशांत राही, महेश तिर्की, हेम केशवदत्त मिश्रा और विजय एन. तिर्की भी अब सभी आरोपों से मुक्त कर दिए गए हैं। जबकि इसी मामले में छठे आरोपी पांडु नरोटे इस इंसाफकी राह देखते हुए अगस्त 2022 में ही इस दुनिया से चले गए। उन्हें इतनी मोहलत भी नहीं मिली कि वे आजाद हवा में अपनी आखिरी सांस ले पाते। 2017 से जेल में बंद पांडु नरोटे बीमार हो गए थे, उन्हें इलाज की पूरी सुविधा नहीं मिली और कैद में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। वैसे ही जैसे फादर स्टेन स्वामी अपने बुढ़ापे और बीमारी के साथ कैद की यातना भुगतते हुए इस दुनिया से रुखसत हो गए। राष्ट्रीय अपराध रिपोर्ट ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, पर्याप्त चिकित्सा उपचार की कमी के कारण हर साल करीब 2000 लोग जेल में जान गंवा देते हैं। इनमें कुछ दोषी भी होंगे, जो अपने अपराधों की सजा काट रहे होंगे, कुछ आरोपी होंगे जो इंसाफके इंतजार में बैठे होंगे और कुछ उमर खालिद की तरह भी होंगे, जिनकी रिहाई तो दूर की बात, जमानत पर सुनवाई तक के लिए अदालत के पास वक्त नहीं है। हर कोई गुरमीत राम रहीम जैसा ताकतवर तो नहीं होता है, जो हत्या और बलात्कार का दोषी होने के बाद 4 साल की जेल में 9 बार पैरोल पर बाहर आ सके। हमारी न्याय व्यवस्था जजों की कमी से जूझते हुए शायद इतना अधिक थक गई है कि वह यही तय नहीं कर पाई है कि समाज के लिए गुरमीत राम रहीम जैसे लोग ज्यादा घातक हैं, जो आध्यात्म की आड़ में हत्या, बलात्कार जैसे गंभीर अपराध करते हैं, या फिर वो लोग जो सरकार के खिलाफआवाज उठाने की हिम्मत रखते हैं, जो व्यवस्था में बदलाव के लिए क्रांतिकारी विचार रखते हैं। 2017 में गढ़चिरौली की सत्र अदालत ने साईबाबा समेत पांच लोगों को कथित माओवादी संबंधों और देश के खिलाफयुद्ध छेड़ने जैसी गतिविधियों में शामिल होने के लिए दोषी ठहराया था। सरकार ने दावा किया था कि 2013 में साईबाबा के घर से जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में से कम से कम 247 पेज आपराधिक पाए गए थे, मई 2014 में प्रो.जीएन साईबाबा को गिरफ्तार किया गया, तीन साल बाद इस पर मामला चला और अदालत ने नक्सली साहित्य रखने और उसे बांटकर हिंसा फैलाने की कोशिश के आरोप में सजा सुनाई। 2022 में हाइकोर्ट ने गढ़चिरौली सत्र अदालत के उस फैसले को पलट दिया था। लेकिन तब हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफराज्य ने तुरंत सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। जिसके बाद अक्टूबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के फ़ैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था और मामले की दोबारा सुनवाई करने की बात कही थी। अब एक बार फिर हाईकोर्ट ने साईबाबा समेत सभी को आरोपों से मुक्त करने का ही फैसला सुनाया है। इस मामले में इंसाफनजर तो आ रहा है, लेकिन उसके साथ फिर वही पुराना सवाल चस्पां है कि क्या देर से मिले इस इंसाफको इंसाफकहा जा सकता है। न्यायालय की लंबी प्रक्रिया में दो साल तो इसी बात में गुजर गए कि साईबाबा को आरोपों से मुक्त करने का फैसला सही था या नहीं। इसलिए 2022 में अपने पक्ष में फैसला आने पर उन्हें बाहर आने के लिए दो साल इंतजार करना पड़ा। और उससे पहले 9 साल जो जेल में गुजारे वो अलग। 54 साल के साईबाबा व्हीलचेयर से चलते हैं और 99 प्रतिशत विकलांग हैं, जिन्हें श्री मोदी के प्रभाव में अपनाई गई शब्दावली के अनुसार दिव्यांग कहा जा सकता है। देश में दिव्यांगों के लिए जीवन सामान्य तौर पर भी नारकीय पीड़ा से भरा हुआ है, ऐसे में समझा जा सकता है कि जेल में 11 साल प्रो.साईबाबा ने किन कष्टों के साथ बिताए होंगे। जेल में उनके बिगड़ते स्वास्थ्य पर उनके परिजनों ने कई बार चिंता जाहिर की, सवाल उठाए, लेकिन न अदालत को, न सरकार को इन चिंताओं के बारे में सोचने की फुर्सत मिली। वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने बिल्कुल सही सवाल उठाए हैं कि साईबाबा बरी कर दिए गए हैं, लेकिन कितने समय बाद? उनके स्वास्थ्य को जो नुकसान हुआ उसे कौन लौटाएगा? कोर्ट? शर्म करिए। कितने और लोगों को जमानत के लिए इंतजार करना होगा? लोगों की आजादी को जिस तरह खत्म किया गया, उस नुकसान की कीमत कौन चुकाएगा? ये गंभीर सवाल हैं, जिन पर न्यायपालिका को सोचना चाहिए। लेकिन जब न्यायपालिका में सियासत अपना असर दिखाने लगे तो क्या इन सवालों पर ईमानदारी से विचार होगा, यह एक बड़ी चिंता है। वो दौर शायद बीत गया है जब न्यायाधीश सेवानिवृत्ति के बाद ऐसे किसी भी पद को स्वीकार नहीं करते थे।

राहुल से सवाल और सरकार के सामने मुंह बंद

सर्वमित्रा सुरजन

इजरायल में रोजगार के लिए गए तीन भारतीय बीते दिनों मिसाइल हमले का शिकार हुए, जिनमें दो घायल हैं, जबकि तीसरे व्यक्ति पैटनीबिन मैक्सवेल की मौत हो गई है। मैक्सवेल के पिता ने बताया है कि दो हफ्ते पहले भी इसी तरह का हमला हुआ था तो उन्होंने अपने बेटे को किसी सुरक्षित स्थान में जाने की सलाह दी थी, लेकिन उसके नियोक्ताओं ने इसकी अनुमति नहीं दी थी। परसाई जी आज होते तो व्यंग्य में बताते कि ऐसे हालात पर लोग कहते देखो, मौत कहां खींच कर ले गई। लोग यह नहीं देखते कि मैक्सवेल के लिए मौत का बुलावा इजरायल से नहीं आया, बल्कि निकम्मी सरकार ने उसे मौत के मुंह में धकेला। अभी पिछले महीने ही खबर आई थी कि नौकरी का झांसा देकर कुछ भारतीयों को रूस ले जाया गया, फिर उन्हें रूसी सेना में जबरदस्ती भर्ती करके यूक्रेन के साथ लड़ाई में झोंक दिया गया। सरकार ने अगर देश में ही रोजगार और उद्यमों की संभावनाएं सभी के लिए उपलब्ध करवाई होतीं तो मजाल है कि मामूली नौकरियों के लिए लोगों की जान के सौदे किए जाते। लेकिन सरकार न नौकरी पर बात करना चाहती है, न हर साल दो करोड़ रोजगार के वादे का कोई जिक्र भूले से करती है, न उसे परीक्षाओं में होने वाली धांधलियों की कोई फिक्र है, जिसमें लाखों नौजवानों का भविष्य तबाह हो रहा है। राहुल गांधी ने पिछले दिनों अपने एक ट्वीट में नौकरी की गारंटी को मोदी सरकार का झांसा बताया है और कहा है कि अगर संसद में पेश किए गए केंद्र सरकार के आंकड़ों को ही मानें तो 78 विभागों में 9 लाख 64 हजार पद खाली हैं। महत्वपूर्ण विभागों में ही देखें तो रेलवे में 2.93 लाख, गृह मंत्रालय में 1.43 लाख और रक्षा मंत्रालय में 2.64 लाख पद खाली हैं। इसके बाद राहुल गांधी नौजवानों से वादा करते हैं कि हमने नौकरियों के लिए ठोस प्लान तैयार किया है और इंडिया गठबंधन की सरकार आते ही हम युवाओं के लिए नौकरी के बंद द्वार खोल देंगे। राहुल गांधी का इस तरह का वादा भाजपा को बहुत चुभता होगा, क्योंकि भाजपा ने तो तीसरी बार सत्ता में आने का मन बना लिया है। श्री मोदी को तीसरी बार भी लालकिले से झंडा फहराने का दावा मन की बात करने जैसा ही आसान लगता होगा। हालांकि तीसरी बार सत्ता में आकर भाजपा ऐसा क्या कर पाएगी, जो उसने 10 साल सत्ता में रहकर नहीं किया, इसका कोई ठोस प्लान भाजपा और नरेन्द्र मोदी के पास नहीं होगा। उन्हें किसी प्लान-व्लान की जरूरत भी क्या है, जब उनका काम भावनाओं के ज्वार पर सवार होने से सध जाता है लेकिन राहुल गांधी लोगों को भावनाओं में बहने से रोकने की कोशिश लगातार करते चले जा रहे हैं। इसलिए अब वे भाजपा ही नहीं, उसका साथ देने वाले मीडिया की नजरों में भी खटकने लगे हैं। राहुल गांधी बिना झिझके बोलते हैं कि युवाओं को सात-आठ घंटे मोबाइल देखने का नशा इस सरकार ने कराया है, लोगों से जय श्रीराम के नारे सरकार लगवा रही है, फिर चाहे वे भूख से क्यों न पीड़ित रहें। राहुल गांधी हमेशा से ऐसे ही रहे हैं, लेकिन उन्हें एक नौसिखिए, नासमझ, अहंकारी, वंशवादी राजनीति का प्रतीक बताने में मीडिया और भाजपा ने बखूबी जुगलबंदी की। पिछले 10 सालों में इसका असर ज्यादा दिखा, हालांकि यह काम राहुल गांधी के राजनीति में आने के बाद से ही शुरु हो गया था। पहले उन्हें सोनिया गांधी का पुत्र होने के नाते कई बार निशाने पर लिया गया और जब राहुल गांधी ने गरीबों, आदिवासियों, वंचितों, किसानों के मुद्दों को मुख्यधारा के विमर्श में लाने की कोशिश की तो उद्योगपतियों की पूंजी से संचालित मीडिया ने उन पर कई तरह के हमले किए। एक राहुल गांधी के होने से देश की राजनीति का कितना बंटाधार हो रहा है, इस तरह की कहानियां लोगों के बीच खूब फैलाई गईं। यूपीए को दो बार सत्ता से बाहर कर लोगों ने भी बता दिया कि उन्हें मीडिया और भाजपा के गढ़े कथानक पर यकीन था। हालांकि अब शायद हालात बदल रहे हैं। नौकरी, परीक्षा, सेना में भर्ती, पेंशन, किसानों के मुद्दे, राज्यों के दर्जे, महिलाओं की स्थिति ऐसे अनेक सवालों पर देश के अलग-अलग राज्यों में भाजपा के खिलाफविरोध-प्रदर्शन की खबरें आने लगी हैं। मुख्यधारा के मीडिया में इन्हें न दिखाने की पूरी कोशिश की जाती है, लेकिन विश्वसनीयता का थोड़ा बहुत ख्याल रखना होता है, तो इन प्रदर्शनों और आंदोलनों को दिखाया जाता है। इसलिए शायद अब श्री मोदी को दुखी होकर यह कहना पड़ा है कि मीडिया में उनकी खबरें दबाई जाने लगी हैं। हालांकि इस बात में कोई सच्चाई नहीं है, लेकिन सोचिए जिस देश के प्रधानमंत्री यह कहे कि मीडिया उनकी खबर नहीं दिखाता है, वहां मीडिया की साख पर कितना बड़ा प्रश्नचिह्न लगा है। राहुल गांधी मोदी सरकार की अनेक नाकामियों के अलावा अब खुलकर मीडिया में आए पतन पर भी बोलने लगे हैं। खासकर भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी ने इस बात की ओर अपनी लगभग हर प्रेस कांफ्रेंस में दावा किया कि लोगों के हित से जुड़े मुद्दों को मीडिया नहीं दिखाता है, बल्कि वो ऐसे मुद्दों को उठाता है जिनसे लोगों का ध्यान भटके। मीडिया सिनेमा, क्रिकेट की बातें करता है या फिर हिंदू-मुस्लिम के बीच झगड़ों की कहानियां दिखाकर नफरत फैलाता है। अभी अंबानी परिवार में शादी के पहले किए गए समारोहों में करोड़ों रुपयों को पानी की तरह बहाया गया, देश की सुरक्षा की परवाह न करते हुए सरकार ने जामनगर के हवाई अड्डे को 10 दिन के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बना दिया, अंबानी परिवार ने हजारों एकड़ जमीन में वनतारा नाम की परियोजना शुरु की और उसमें कानूनों का उल्लंघन करते हुए जंगली जानवरों को रखा, तो इन सब पर मीडिया ने कोई सवाल नहीं किया, बल्कि खुद को नामी पत्रकार समझने वाले एक शख्स ने अंबानी के निजी चिड़ियाघर में हाथी के लिए बनी खिचड़ी और जूस का सेवन करने का आनंद लिया और पूरी बेशर्मी से उसे दिखाया भी। राहुल गांधी ने इस पर भी कहा कि मीडिया अंबानी की शादी को दिखाएगा, लेकिन भूख से पीड़ित लोगों को नहीं। बिना लाग-लपेट के ठेठ कबीराना अंदाज में राहुल गांधी ने मीडिया को आईना दिखाने का काम किया है। अगर मीडिया के लोगों को अपने पेशे की जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता की परवाह होती तो ऐसे आरोपों को गलत साबित करने की ईमानदार कोशिशें होतीं और आत्मनिरीक्षण किया जाता कि कहीं वाकई हम सत्ता और पूंजी के गुलाम तो नहीं बन गए हैं, क्या जनसरोकारों पर बात करने की जगह हमने अपनी कलम को चंद रुपयों के लिए गिरवी रख दिया है लेकिन मीडिया ने ऐसा कुछ नहीं किया, बल्कि पूरी निर्लज्जता से राहुल गांधी को ही गलत साबित करने की कोशिश जारी रही। भूख, नौकरी और गरीबी की पीड़ा की जगह ग्लैमर की बात मीडिया करता है, इसका उदाहरण देने के लिए राहुल गांधी ने ऐश्वर्या राय का नाम बार-बार लिया, तो उन पर हमले शुरु हो गए, जबकि ऐश्वर्या राय केवल प्रतीक मात्र के तौर पर उनके बयानों में रहीं। इसी तरह पिछले दिनों मध्यप्रदेश में उन्होंने फिर यही कहा कि मीडिया अग्निवीर पर सवाल नहीं करेगा, इस पर बीबीसी के एक पत्रकार ने कहा कि हमने सवाल किया तो राहुल गांधी ने उन्हें कहा कि आप विदेशी कंपनी के लिए काम करते हैं, लेकिन देश का मीडिया इस पर कुछ नहीं कहता है। श्री गांधी ने बीबीसी के पत्रकार को पहचाना नहीं या उन्हें छोटा पत्रकार कहा, इस बात को फिर एक बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश हुई। उन्हें नसीहतें दी जाने लगीं कि सभी पत्रकारों को एक तरह से न परखें, गोदी मीडिया की भड़ास उन्हीं पर निकालें।

पंजाब: वार्षिक बजट चुनौती भरी राह

विनय

यह हकीकत है कि पंजाब पर बढ़ते कर्ज के बोझ के बीच पेश वार्षिक बजट में राज्य सरकार ने लोकलुभावन घोषणाएं करने से परहेज किया है। इसके बावजूद राज्य सरकार ने अपनी प्राथमिकताओं का खुलासा किया है। पंजाब की आप सरकार के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने संतुलन बनाने का प्रयास करते हुए राज्य के 2024-25 के बजट में शिक्षा और स्वास्थ्य पर सरकार का ध्यान केंद्रित किया है। बजट का कुल परिव्यय दो लाख करोड़ से अधिक हो गया है। हालांकि, आम चुनाव के तरफबढ़ते देश में नये कर लगाने से परहेज किया गया है। लेकिन राज्य की खस्ता आर्थिक स्थिति के बीच आप सरकार अपने चुनावी वादे के अनुसार 18 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपये की राशि देने के मुद्दे पर निर्णायक पहल नहीं कर पायी। इस बाबत फैसले का पंजाब की महिलाएं बेसब्री से इंतजार कर रही थीं। हाल ही में हिमाचल की सुक्खू सरकार ने अपने राज्य में महिलाओं से किये गए ऐसे वादे के क्रियान्वयन की घोषणा कर दी है। पंजाब में यह उम्मीद इसलिये भी बढ़ गई थी क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में आप की ही सरकार ने ऐसी घोषणा को अपने बजट में

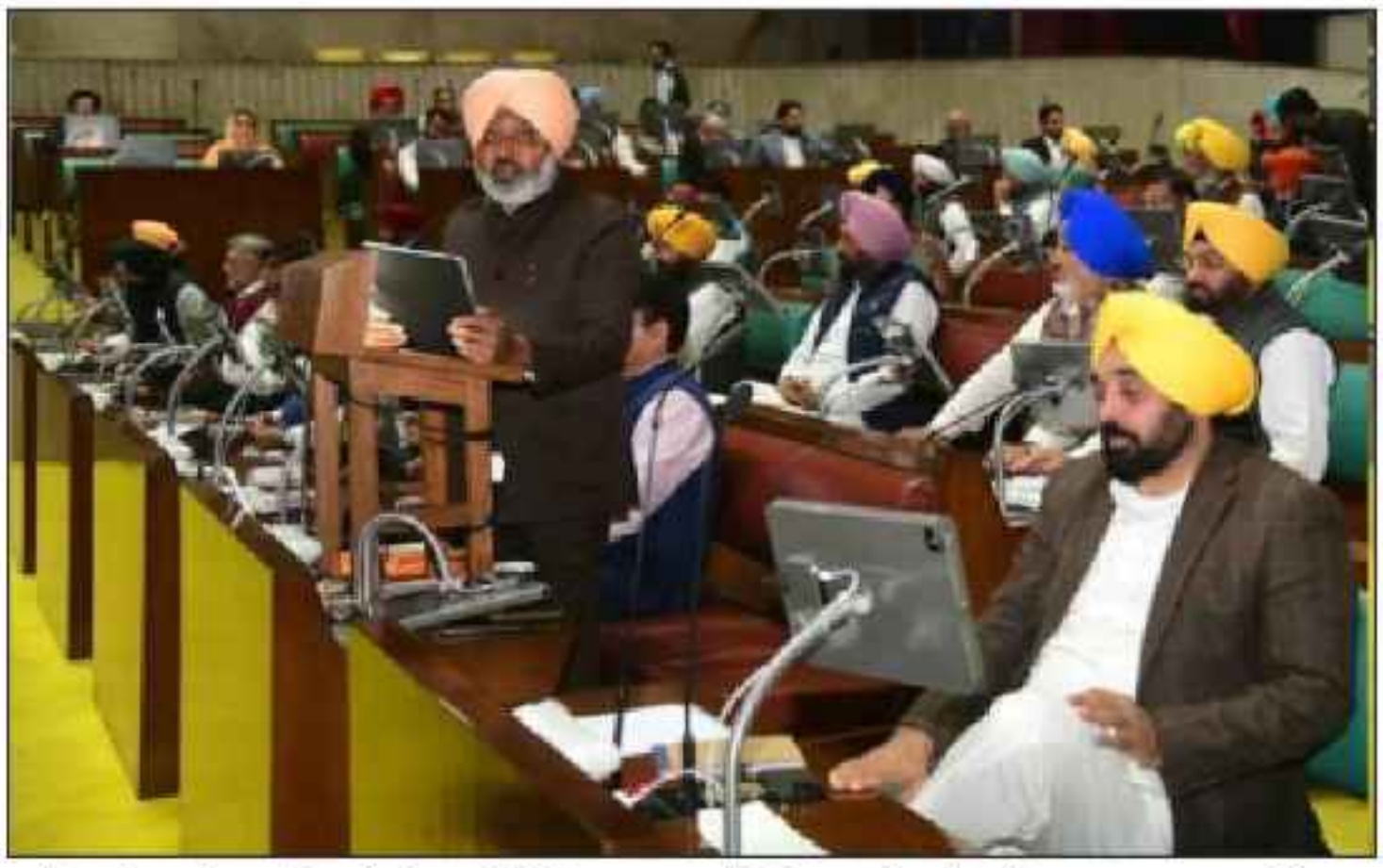

शामिल किया है। उम्मीद थी कि पंजाब में भी ऐसी ही पहल होगी। बहरहाल, पंजाब की आप सरकार की इस बात के लिये सराहना की जानी चाहिए कि उसने राज्य में शिक्षा और स्वास्थ्य की देखभाल के लिये पर्याप्त बजट का प्रावधान किया है। स्कूल ऑफ एमिनेंस, स्कूल ऑफ ब्रिलिएंस तथा स्कूल ऑफहैप्पीनेस की स्थापना की घोषणा निश्चित ही एक सराहनीय पहल है। इसी तरह मिशन समरथ, चिकित्सा शिक्षा में निवेश और राज्य के विश्वविद्यालयों को अनुदान की घोषणा निश्चित रूप से अकादमिक उत्कृष्टता के पोषण के लिये एक समग्र दृष्टिकोण का ही परिचायक है। इसी तरह आम आदमी क्लीनिक की स्थापना और स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे में निवेश से ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। वहीं दूसरी ओर कृषि प्रधानता के लिये पहचान बनाने वाले पंजाब में किसानों से जुड़े मुद्दों को भी संबोधित किया गया है। इसमें ग्लोबल वार्मिंग के संकट के बीच फसल विविधीकरण और भूजल के लगातार बढ़ते संकट से जुड़े मुद्दों को भी आप सरकार ने अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। निस्संदेह, यह पहल राज्य में सतत विकास की दिशा में सार्थक प्रयास कही जाएगी। वहीं दूसरी ओर सरकार ने कभी खेलों का सरताज रहे पंजाब में खेलों को प्रोत्साहन की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। इसी कड़ी में खेल नर्सरी और खेल विश्वविद्यालयों के लिये वित्त पोषण जैसी पहल भी सराहनीय कदम है। लेकिन इसके बावजूद राज्य पर लगातार बढ़ता कर्ज संकट सरकार की गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। यहां उल्लेखनीय है कि मार्च, 2022 में राज्य पर जो कर्ज 2.73 लाख करोड़ रुपये था, वह जनवरी, 2024 में बढ़कर 3.33 लाख करोड़ रुपये तक जा पहुंचा है। राज्य में राजकोषीय घाटे को लेकर चिंता बनी हुई है। केंद्रीय बैंक आरबीआई की एक रिपोर्ट बताती है कि पंजाब का ऋण से जीडीपी का अनुपात 47.6 फीसदी है। जो राज्यों में दूसरा सबसे बड़ा अनुपात है। यही वजह है कि राज्य सरकार को अपने खर्चे पूरे करने के लिये नये ऋणों की व्यवस्था करनी पड़ रही है। दरअसल, वेतन, पेंशन, ऋण भुगतान तथा बिजली सब्सिडी जैसी प्रतिबद्ध देनदारियां राज्य की राजस्व प्राप्तियों को काफी हद तक प्रभावित कर रही हैं। निश्चित रूप से राज्य सरकार को नये विकास कार्यों के लिये वित्तीय संसाधन जुटाने में परेशानी आ रही है। तभी चालू वित्तीय वर्ष में भी इसी कारण कुल प्राप्तियों में पूंजीगत व्यय का हिस्सा सीमित ही रहा है। निश्चित रूप से सरकार को सख्त वित्तीय अनुशासन की जरूरत है। साथ ही सरकार को भी सोचना होगा कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से राज्य के आर्थिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

दरअसल, पंजाब की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिये जिन सख्त निर्णयों की जरूरत महसूस की जाती रही है, चुनावी माहौल में राज्य सरकार उन कदमों को उठाने से बच रही है।

भारत माता के महान सपूत थे गोविंद बल्लभ पंत : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धांजिल अर्पित की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री और देश के गृह मंत्री रहे गोविंद बल्लभ पंत को याद करते हुए कहा कि वह भारत माता के महान सपूत थे। उन्होने उनकी स्मृतियों को भी नमन किया और कहा कि भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा देश की आजादी के लिए समय- समय पर चलाए गए आंदोलनों में अग्रणी भूमिका निभायी।

उन्होंने 24 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश के पुनर्गठन पर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की व्यवस्था को सुचारू रूप से आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। इससे पहले उन्होंने वर्ष 1937

में संयुक्त प्रांत के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेशवासियों को अमूल्य सेवाएं देते हुए आजादी के आंदोलन में अपनी सक्रिय भूमिका को बनाए रखा। साथ ही दिसंबर 1954 में देश के प्रथम गृहमंत्री और उप प्रधानमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के आकस्मिक निधन के बाद देश के गृह मंत्री के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन किया। इसके अलावा वर्ष 1955 से 1961 तक देश के गृहमंत्री के रूप में उन्होंने अपनी अमूल्य सेवाएं देकर राजभाषा हिंदी को सम्मान दिलाने का कार्य किया। देश के प्रति उनकी सेवाओं के लिए वर्ष 1957 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। इतना ही नहीं उन्होंने भारत की संविधान सभा के एक महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं। योगी ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत की स्मृतियों को नमन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस ने 370 के नाम पर देश को गुमराह किया: मोदी

श्रीनगर धारा 370 हटने के बाद पहली बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कश्मीर पहुंचे हैं। यहां उनके भाषण को सुनने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ा हुआ है और उनके नाम के नारे गूंज रहे हैं। श्रीनगर के बक्शी स्टेडियम में विकसित भारत विकसित जम्मू कश्मीर कार्यक्रम में उन्होंने लोगों को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री कई विकास परियोजनाओं का अनावरण किया। पीएम मोदी रैली के दौरान 6400 करोड़ की 52 विकास परियोजनाओं का शुभारंभ व लोकार्पण किया। इसके अलावा मोदी ने भाषण के दौरान कहा, आपके इतनी बड़ी तादाद में आने से मैं जितना खुश हूं, उतना ही कृतज्ञ हूं। प्यार के इस कर्ज को चुकाने में मोदी कोई कसर नहीं छोड़ेगा। 2014 के बाद से मैं जो मेहनत कर रहा हूं, आपका दिल जीतने की कोशिश कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दौरे पर रवाना होने से पहले कहा था, मैं श्विकसित भारत विकसित जम्मू कश्मीर कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए कल, 7 मार्च को श्रीनगर में रहूंगा। विभिन्न विकास कार्य भी राष्ट्र को समर्पित किये जायेंगे। उनमें से उल्लेखनीय रुपये से अधिक मूल्य के कार्य हैं।

कृषि-अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने से संबंधित 5000 करोड़। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पर्यटन से जुड़े विभिन्न कार्य भी राष्ट्र को समर्पित किए जाएंगे। पीएम मोदी के दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। उनके मार्गों पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया और ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। किसी भी विध्वंसक गतिविधियों को रोकने के लिए जल निकायों में समुद्री कमांडो तैनात किए गए।

फाग, फगुआ, फगुनहटा, फुहार, फब्तियां और फक्कड कबीरा

मनोज कुमार सिंह
लेखक / साहित्यकार

अंग्रेजी महीने से इतर भारतीय जनमानस में विशेष कर हिन्दी ह्रदय क्षेत्र में प्रचलित फाल्गुन मास को हिन्दी पंचांग का आखिरी महीना माना जाता है। अलबेला, अल्हड़, मनभावन और जन–जन के मन मस्तिष्क और ह्रदय को मदमस्त तथा बसंती बयार से रोम–रोम रोमांचित कर देने वाला फागुन का महीना हर बार नयी उमंग, नयी तरंग नयी आशा, नया विश्वास और नयी उम्मीद लेकर आता है। धरती से अम्बर तक नूतन परिवेश निर्मित करने का हुनर और हौसला लिए फगुआ का महीना बेहतर सामाजिक जन–जीवन के लिए प्यार–मुहब्बत की आगोश में लिपटे बेहतर संदेश लेकर आता है। फाल्गुन का महीना अपनी आदत, फितरत और हरकतों के अनुरूप बाग–बगीचे में अमराई, लोकजीवन में अंगड़ाई, तन बदन को गुदगुदाने वाली हवा–बयार में फगुनाहट और घर–आंगन में अपनों के आने की आहट के साथ रसभरी शरारत, अल्हड़पन के साथ अपनापन और प्यासे बिछड़े दिलों में मिलन की आस लेकर आता है। बहुरंगी आनंद से पूरी तरह सराबोर इस नवरंगी मौसम वाले बसंत को ऋतुराज कहा जाता हैं। श्रीष्ण ने कुरुक्षेत्र में खड़े होकर उद्घोष किया था कि–मैं ऋतुओं में बसंत हूँ।

साहित्यकारो ने भी सबसे अधिक रचनाए वसंत ऋतु को समर्पित की है। समृद्ध भारतीय साहित्य परम्परा में भारत की लगभग समस्त भाषाओं में अनगिनत साहित्य सरिताएं मनोहारी वसंत ऋतु की गंगोत्री से निकल कर भारतीय लोकमानस को अभिसिंचित कर रही हैं। साहित्य रस के प्यासे ह्रदयो को वसंत ऋतु से प्रवाहित सरिताएं सदियों से तृप्त कर रही है। प्राचीन भारतीय इतिहास में छक कर लगभग एक माह तक वसंतोत्सव मनाने का उल्लेख मिलता है।

ऋतुराज बसंत के शुभागमन से ही बसुन्धरा का प्राकृतिक श्रृंगार और सौन्दर्य अपनी पराकाष्ठा पर होता हैं। सम्पूर्ण लोक–जीवन बसंत की मादक बयारों के मधुर स्पर्श से गहरे रूप से स्पनंदित होने लगता है। प्र. ति के अद्भुत श्रृंगार और सतरंगी सौन्दर्य में हर चंचल मन रंगने लगता है। सृष्टि और प्रकृति का स्वर, व्यंजन और व्याकरण पूरी तरह नवलता के कलेवर में ढल जाता हैं। बाग–बगीचे, खेत खलिहानों में चहकते पक्षियों, और महकते फूलो से मधुर संगीत झंकरित होने लगता है। पेड़ पौधों की लचकती, बहकती और झूलतीं डालियों में मन मस्तिष्क को उमंगित करने वाला नृत्य प्रस्फुटित होने लगता हैं। बच्चे, बुढे, जवान, अनपढ़, गंवार बुद्धिमान शहरी देहाती और लगभग हर नर–नारी अपना शराफती चोला ताखा पटनी पर रख देते हैं तथा सादगी और भलमनसाहत को खूंटी पर टांग देते हैं। चेहरे पर झुर्रिया और मुंह में दांत नहीं पर हमारे अपने घर–घराने कुटुंब कबीले कुल–खानदान के बूढे बुजुर्ग दादा परदादा काका चाचा भी अपने हम–उम्र हमजोली आस–पडोस, गाँव–देहात, टोला मुहल्ला की काकी, दादी, परदादी और अपने समकक्ष वृद्ध महिलाओं को देखकर फब्तियां कसें बिना नहीं रहते हैं। अपने पारिवारिक गवँई रिश्तों–नातों की बुनियाद पर बोलीं–टिबोली बोलना पारम्परिक हक हूकूक समझते हैं। इस अल्हड़, अलबेले और मदमस्त मौसम का मिजाज उम्र–दराज बुढे–बुजुर्गों में बुढापे की सिहरन तथा थकन को अचानक आश्चर्यजनक तरीके से मिटा देता है। इस बसंती बयार और फागुनी बहार में हर नर–नारी के अन्दर हम–उम्र और हम जोलियो संग छिछोरापन करने का अद्भुत जोश और जुनून आ जाता हैं। ऋतुओं और मौसमों को ध्यान में रखकर बनाये गये हर तीज त्यौहारों और उत्सवों को आम हिन्दुस्तानी पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाते हैं।

इधर कुछ वर्षों से आम जनमानस में यह धारणा तेजी से प्रचलित होती जा रही है कि–फगुआ का त्यौहार पूरी तरह से मौज–मस्ती और आनंद का त्यौहार है। बढ़ती उच्छृंखलता के दौर में लोगो मन मस्तिष्क में यह धारणा घर करती जा रही है इसमें किसी के साथ किसी तरह का व्यवहार और बर्ताव करने की पूरी आजादी है। जनमानस में व्याप्त इस धारणा के कारण फगुआ का असली उद्देश्य और असली संदेश हमारे लोकमानास के मन मस्तिष्क और मानसिक चिंतन और विचार–विमर्श से कोसों दूर हो गया है। फगुआ नाचने गानें झूमने मौज मस्ती और आनंद लेनें के साथ–साथ हिरण्यकश्यप, होलिका जैसे दुराचारियों दम्भियों और अंहकारियो की दूषित, प्रदूषित और कलुषित व्यक्तित्वो के विनाश से सबक सीखने का भी त्यौहार है। भारतीय परम्परा में होली, होलिका और हिरण्यकश्यप जैसे अनगिनत दुष्कर्मियो के अन्दर विविद्यमान दुष्प्रवृत्तियों के नाश की कामना तथा भारतीय लोकवृत में महिमामंडित भक्त प्रहलाद जैसे भक्ति भावना रखने वाले दृढ निश्चयी, सत्यवादी और सच्चरित्र व्यक्तित्वो को स्मरण करते हुए और उनसे अनुप्रेरित और अनुप्राणित होने का पवित्र पावन त्यौहार हैं। होलिका दहन के साथ–साथ हमे अपने मन मस्तिष्क मिजाज और ह्रदय में घर बना चुके ईर्ष्या, द्वेष, घृणा, अहंकार और क्रूरता जैसे मनोविकारों को जलाकर भस्म कर देना चाहिए और हमारे आचरणो व्यवहारों और आदतों में समाहित दुर्व्यसनो और दुर्व्यवहारो को जड–मूल से समाप्त कर देना चाहिए और यही होलिका दहन का मौलिक और वास्तविक निहितार्थ और निष्कर्ष हैं। आग में न जलने का वरदान प्राप्त होलिका हिरण्यकश्यप द्वारा प्रहलाद को जलाने के लिए सजायी गयी अग्नि चीता में जलकर खाक हो गई और भक्त प्रहलाद सकुशल बच गया। वस्तुतः सच्चाई, सचरित्रता, ईमानदारी नैतिकता, पवित्रता और निर्मलता कभी किसी आग से नहीं जलती है और झूठ, फरेब, छल, कपट, मक्कारी, धूर्तता, और ढोंग ढकोसला की उम्र हर सभ्य और सुसंस्त समाज में बहुत कम होती हैं और इस तरह की मानसिकताऐ अंततः जलकर खाक हो ही जाती हैं।

होली की पूर्व संध्या पर होलिका दहन का चलन–कलन इसलिए प्रचलित हुआ कि–हर्ष उल्लास उमंग आशा और विश्वास जैसे विविध रंगों से परिपूर्ण रंगों का त्यौहार होली ईर्ष्या द्वेष घृणा अहंकार क्रूरता जैसे समस्त मनोविकारों को पूरी तरह मिटाकर विविध प्रकार के रिश्तों नातों में अंतर्निहित मधुरता का एहसास करने और हर किसी को एहसास कराने के साथ मनाया जाय। फगुआ का त्यौहार टूटे छूटे भूले भटके सभी रिश्तों नातों को याद करते हुए सबसे गले मिलने का त्यौहार है। इसलिए होली के एक दिन पूर्व होलिका दहन के अग्नि कुंड में हम अपने समस्त मनोविकारों दुर्गुणो दुर्व्यसनो को जला देते हैं तथा किसी भी प्रकार दुश्मनी को भुलाकर और किसी भी तरह की दुर्भावना मिटाकर हर्षित ह्रदय से होली मनाते हैं। किसी के जीवन में मस्ती और आनंद जरूरी है परन्तु सबके जीवन में मस्ती और आनंद तभी आयेगा जब हंसी ठिठोली और मौज मस्ती का तौर–तरीका अनुशासित मर्यादित और हमारी संस्कृति और सभ्यता के दायरे में हो। यह सर्वविदित है कि–हमारा देश पूरी दुनिया में उत्सवधर्मी देश के रूप में जाना जाता रहा है और लोग–बाग यहाँ हर उत्सव छक कर मनाते हैं परन्तु अश्लीलता और फूहडता हमारे तीज त्यौहारों और उत्सवों का हिस्सा कभी नहीं रहें। हमारे पुरबिया माटी में मस्ती के साथ–साथ लोग–लुगाई अपने अपने गीठे रिश्तो नातों को याद करते हैं। पुरबिया माटी के गाँवो और अर्द्ध ग्रामींण और अर्द्ध शहरी संस्कृति वाले कस्बों में ढोल झाल करताल मृदंग मंजीरा के साथ लगभग एक महीना मस्ती के फाग और चौताल गाते हैं।

हमारे गाँवो में फगुआ और फाग गाने का चलन–कलन बहुत पुराना है। फाग और चौताल सहकार समन्वय साहचर्य सहिष्णुता के साथ–साथ स्वस्थ्य मनोरंजन का साधन रहा है। हमारी देशज लोक संगीत लोक नृत्य और लोक साहित्य की मिठास भरी परम्परा में फगुआ, फाग और चौताल को मस्ती के साथ मिलन–जुलन का लोक संगीत और लोक नृत्य माना जाता रहा है।

आज सिल्वर स्क्रीन द्वारा लगातार परोसें जाने वाले पॉप और रॉक संगीत तथा गाँवो कस्बों में तेजी से बढती आर्केस्ट्राई और डीजे संस्कृति के कारण मस्ती और मिलन की लोक संस्कृति को जीवंत रखने वाले फगुआ फाग और चौताल के ऊपर गहरा संकट मंडराने लगा है। अपनी माटी की महक को सहेजे समेटे फगुआ फाग और चौताल को जीवंत रखने की आवश्यकता है। क्योंकि लोक संगीत और लोक साहित्य के माध्यम से लोगों का दुःख, दर्द, हर्ष विषाद सहित सम्पूर्ण लोक जीवन अभिव्यक्त होता है।

मध्ययुगीन भारतीय समाज में व्याप्त कुप्रथाए, कुरीतिया, विवेक, विकास और इंसानियत रूढ़ियों और समस्त अंधविश्वासों के रूप में लगे झाड–झंखाडो पर सबसे करारा प्रहार कबीर ने किया। फक्कड़ कबीर ने कर्मकांडों तथा पाखंडो पर तार्किक, बौद्धिक और दूरदर्शितापूर्ण हमला किया। होली के दिन लोगों की टोली साज बाज के इस मध्ययुगीन क्रांतिकारी फक्कड़ कवि कबीर का नाम लेकर कबीरा और जोगीरा गाते रहते हैं। वस्तुतः अनपढ़ कबीर अपने दौर के सामाजिक संचेतना के सबसे प्रखर और उत्कट दार्शनिक थे। जिन्होंने ने दकियानूसी ख्यालो और धूर्तता पर आधारित कर्म–काण्डो पर निर्भिकता से प्रहार करते हुए मानवता मानव समाज और मानवीय जीवन की सच्चाइयों और वास्तविकताओ से लोगों को रूबरू कराया। कबीरा गाते हुए लोग शायद अन्दर और बाहर की हकीकतों से लोगों को रूबरू कराने का प्रयास करते रहते हैं और लोक जीवन को आनन्दित और आन्दोलित करते रहते हैं। यह एक सर्वविदित सच्चाई है जो समाज अपने समाज के नैतिक मूल्यों, आदर्शों, मान्यताओं और सच्चाईयो को लेकर सर्वदा सजग सचेत और आन्दोलित रहेगा वही समाज वास्तव में आनंदित रहेगा। फक्कड़ कबीर का जीवन सीसे की तरह आर–पार दिखने वाला जीवन था। आज तथाकथित बाजारवादी सभ्यता और संस्कृति के दौर में लोग ढोंग, ढकोसला का जीवन जी रहे हैं। ढोंग ढकोसला पर आधारित नकली और बहुरुपिया जीवन जीने वाले लोग तनाव और बिमारियों की चपेट में आते जा रहे हैं। स्वस्थ और प्रसन्नचित्त जीवन के लिए जरूरत है साफ सुथरा वास्तविक और फक्कड़ कबीर की तरह पारदर्शी जीवन जीने की। खैर मेरी तरफ से आपको, सबको और समस्त देशवासियों को कबीरा–सा –रा–रा –रा.....

विश्व का नेतृत्व करेगा भारतः भूपेंद्र

लखनऊ (यूएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी बुधवार को लखनऊ के तुलसी उद्यान गीता पल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लाइव संबोधन के साथ जुड़ेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अभियान का समापन पश्चिम बंगाल से करते हुए महिला सशक्तिकरण से राष्ट्र के सशक्तिकरण का मंत्र दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को लाइव प्रसारण के माध्यम से देश के कोने–कोने में बड़ी संख्या में लोगो ने सुना। प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कार्यक्रम में उपस्थित मातृशक्ति को नमन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दस वर्षों में बनाई गई कार्ययोजना के क्रियान्वयन से भारत आजादी के 100 वें वर्ष में विकसित भारत होगा और विश्व का नेतृत्व करेगा। देश के नागरिकों की आत्मनिर्भरता से विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा।पीएम नरेन्द्र मोदी ने नारियों के सशक्तिकरण से राष्ट्र के सशक्तिकरण की परिकल्पना को साकार रूप दिया है। केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला, जनधन खाता जैसी तमाम योजनायें महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित है।

क्यों की जाती है शिवलिंग की पूजा : डॉ0 गणेश कुमार पाठक

महाशिवरात्रि पर विशेष

डॉ0 गणेश कुमार पाठक

भारत में शिव की पूजा अति प्राचीन काल से होती चली आ रही है, जिसका उल्लेख वैदिक ग्रंथों, उपनिषदों एवं पुराणों तथा अन्य प्राचीन ग्रंथों में हुआ है।

ऋग्वेद (10/92, 9/11 एवं 114/1 सूत्र), यजुर्वेद, श्वेताश्वर उपनिषद, मुण्डकोपनिषद, शिव पुराण एवं मत्स्य पुराण में अनेक स्थलों पर शिव। के विविध स्वरूप, शिवलिंग पूजन का महत्व एवं शिव पूजन विधि ा का वर्णन हुआ है। यही नहीं हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो की खुदाई में प्राप्त अवशेषों में भी शिवलिंग मिला है, जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि सिन्धु–सभ्यता काल में भी शिवलिंग की पूजा की जाती थी।

प्रश्न यह उठता है कि शिव के सम्पूर्ण स्वरूप की पूजा करने की अपेक्षा शिवलिंग पूजन को अधिक महत्व दिया जाता है, ऐसा क्यों? इस संबंध में अनेक विवरण ग्रंथों में आए हैं। शिवपुराण में लिंग पूजन परम्परा के इतिहास कि उल्लेख आया है, जो इस प्रकार है–महर्षि वेद व्यास कहते हैं, हे ब्राह्मण सुनो–मैं लिंग का यथाक्रम वर्णन तुमसे कहता हूं। सर्व प्रथम शंकर का लिंग प्रणव ओंकार ही है। यह समस्त कामनाओं की पूर्ति करता है। शिव का सूक्ष्म लिंग 'प्रणव' है या 'प्रणव' स्वरूप है और सूक्ष्म ही निष्कल होता है। शंकर का सूक्ष्म लिंग, यह समस्त ब्रह्माण्ड ही है। इसको पंचाक्षर कहते हैं। स्थूल एवं सूक्ष्म दोनों लिंगों की पूजा ही तत्व है। ये दोनों प्रकार से की जाने वाली पूजा साक्षात मोक्ष प्रदान करती है। पुरूष प्र.ति एवं आकाश आदि पंच महआभूत आदि शिव के नाम हैं और लिंग स्वरूप है। इनका विस्तार से वर्णन करने की शक्ति शिव में ही हैं। दूसरा कोई उन समस्त लिंगों को जान ही नहीं न सकता।

स्कंध पुराण में भी उल्लेख आया है कि :–

शलिंगानां च क्रम वक्ष्ये
यथावच्छृणुत द्विजारू।
सदैव लिंग प्रथमं
प्रवचन सर्व कामिकम्।
सूक्ष्म प्रणव रूपंहि
सूक्ष्म रूप ही निष्कर्म।
स्थूल लिंग ही सकलं
तत्पंवाक्षर मुच्यते।

स्कंध पुराण के इस कथन का तात्पर्य यह है कि शिवलिंग का अर्थ ओंकार के स्थूल एवं सूक्ष्म रूपों से है। अर्थात यह रूप सर्वत्र समाना रूप से व्यापक है।

हम जानते हैं कि ब्रह्मांड अनंत है। उसका न तो आदि है और न ही अंत। ब्रह्माण्ड की सीमा का निर्धारण करना बिल्कुल असंभव है। ब्रह्माण्ड को वलयाकार माना गया है और वही लिंग का भी रूप है। अतः शिवलिंग पूजा की जो परम्परा प्रचलित है एवं जिसकी प्रतिष्ठा होती है, वह लिंग ब्रह्माण्ड के ही आकार का होता है और वैसा ही शिव लिंग पूजन के काम में आता है।

इस तरह हम देखते हैं कि शिव पुराण एवं लिंग पुराण के आधार पर लिंग का जो वर्णन गिलता है,वह लिंग ब्रह्माण्ड का ही द्योतक है। अतः शिवलिंग को ब्रह्माण्ड का ही आकार समझना चाहिए।

लिंग पुराण के तीसरे अध्याय में कहा गया है कि श भगवान शिव अलिंग हैंश। उसी प्रसंग में प्र.ति प्रधान को लिंग माना गया है। शंकर तो निर्गुण हैं। प्र.ति सगुण है। प्रकृति या लिंग के विस्तार से ही सृष्टि सकी रचना होती है। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड लिंग के अनुरूप है। सम्पूर्ण सृष्टि ही लिंग है या लिंग के अन्तर्गत है या लिंगमय है और अन्ततः लिंग में ही सृष्टि समाहित हो जाती है।

यदि लिंग के शाब्दिक अर्थ को देखा जाय तो लिंग का शाब्दिक अर्थ होता है– 'चिन्ह'। देव चिन्हों में लिंग शब्द का अर्थ 'शिवलिंग' ही ग्राह्य है। स्कंध पुराण में लिंग के अर्थ को स्पष्ट करते हुए 'लय नाल्लिंगमुच्यते' कह कर संबोधित किया गया है, जिसका अर्थ होता है कि जिसमें सृष्टि का लय या प्रलय हो, वहीं लिंग है। पुराणों में जो उल्लेख प्राप्त होते हैं, उनके अनुसार लिंग के मूल में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु एवं ऊपरी भाग में प्रणव रूप शिव का वास होता है। उस लिंग से त्रिदेव की उत्पत्ति मानी गयी है और लिंग का पूजन–अर्चन करने से ही त्रिदेव–ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश की पूजा पूर्ण हो जाती है। इन्हीं सब कारणों से शिव लिंग की पूजा का विशेष महत्व है।

कैसे हुई शिवलिंग की उत्पत्ति :– शिवलिंग की उत्पत्ति कैसे हुई एवं लिंग पूजा का वास्तविक रहस्य क्या है? इस संबंध में स्कंध पुराण में एक कथा का उल्लेख हुआ है,जिसके अनुसार–सृष्टि की उत्पत्ति के पश्चात एक बार ब्रह्मा एवं विष्णु में विवाद उत्पन्न हो गया कि दोनों में श्रेष्ठ कौन है? ब्रह्मा जईज्ञकए कहना था कि चूंकि मैंने सृष्टि का निर्माण किया है, अंतरू मैं सबसे श्रेष्ठ हूं। जबकि विष्णु सका कहना ज्ञथा कि मैं सम्पूर्ण सृष्टि का पालनकर्ता हूं, मैं सबसे श्रेष्ठ हूं। ब्रह्मा एवं विष्णु में इस तरह का विवाद चल ही रहा था कि उसी समय उन दोनों के मध्य एक परम् ज्योतिर्मय विशाल ज्योतिर्लिंग प्रकट हुआ,जो आकाश से पाताल तक फैला हुआ प्रतीत हो रहा था। इस ज्योतिर्लिंग को अचानक प्रकट हुआ देखकर ब्रह्मा एवं विष्णु दोनों ही अत्यन्त विस्मय में पड़ गए कि यह अद्भुत एवं अ.श्य शक्ति कहां से प्रकट हो गयी।

जब ब्रह्मा एवं विष्णु को इस आश्चर्यजनक प्रकाश से युक्त ज्योतिर्लिंग के बारे में कुछ पता नहीं चला और न ही इस प्रकाश का कोई आदि और अंत दिखाई दिया तो दोनों देवताओं नएज्ञयह निर्णय लिया ज्ञकिज्ञहम दोनों इस अद्भुत ज्योतिर्लिंग के छोर का पता लगाने हेतु दो विपरीत दिशाओं को प्रस्थान करें,जिससे इस रहस्यमय प्रकाश का पता चल सके एवं हम दोनों में से जो पहले पता लगाकर चला आयेगा,वहीं हम दोनों में श्रेष्ठ होगा। दोनों दो विपरीत दिशाओं में चल पड़े और की वर्षों तक चलने के पश्चात भी उस रहस्यमयी वस्तु के आदि और अंत का पता नहीं चला तो अपने स्थान पर हार कर वापस आ गये। विष्णु जी ने तो स्पष्ट कह दिया कि हमें इसका कोई आदि एवं अंत दिखाई नहीं देता है, किंतु ब्रह्मा जी हझूठ बोल गए। ब्रह्मा ने कहा कि मैं इसके छोर तक जाकर वापस आया हूं। अपनी गवाही में ब्रह्मा ने केतकी नामक पुष्प के वृक्ष को भी शामिल कर लिया और केतकी ने भी ब्रह्मा के बात की पुष्टि कर दी। ब्रह्मा के असत्य एवं केतकी की झूठी गवाही ज्ञको देखकर आकाशवाणी हुई कि ब्रह्मा एवं केतकी सदनों झूठ बोल रहे हैं।

इस आकाशवाणी को सुनकर ब्रह्मा अत्यन्त लज्जित हुए। तत्क्षण ही भगवान शिव भी त्रिशूल धारण किए हूं प्रकट होकर ब्रह्मा एवं विष्णु के मध्य खड़े हो गए। यह देखकर ब्रह्मा एवं विष्णु दोनों नतमस्तक होकर शिव की स्तुति करने लगे। ब्रह्मा एवं विष्णु के याचना भरे शब्दों को सुनकर शिव ने कहा कि इस सृष्टि का आदि कारण रूप, उत्पत्तिकर्ता एवं स्वामी मैं ही हूं। तुम दोनों को मैंने ही उत्पन्न किया है। तुम दोनों मुझसे भिन्न नहीं हो। तुम दोनों मेरे ही स्वरूप है। मैं ही सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति एवं विनाश के लिए अलग–अलग ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश का रूप धारण करता हूं।

इसके पश्चात शिव ने पुनरू कहा कि ब्रह्मा को अपने असत्य के अपराध ा के कारण दण्ड भुगतना पड़ेगा एवं केतकी झूठी गवाही के कारण मेरी पूजा में स्थान नहीं पायेगी। शिव के इन वचनों को सुनकर ब्रह्मा एवं विष्णु होने अपनी मूल पर खेद प्रकट करते हुए भगवान ज्ञशिव से क्षमा मांगी। दोनों का विवाद समाप्त कर भगवान शिव पुनरू अंतर्धान हो गए। चूंकि यहां शिव सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे, अतः तभी से शिवलिंग की पूजा का प्रचलन प्रारम्भ हो गया।

जिलाधिकारी की उपस्थिति में जनपद स्तर पर मुख्यमंत्री के वर्चुअल संबोधन का कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

कृषकों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के उपलक्ष्य में संकल्प की सिद्धि/कार्यक्रम का दिखाया गया सजीव प्रसारण

बलिया। कृषकों को सिंचाई के लिए मुत बिजली उपलब्ध कराने के उपलक्ष में संकल्प की सिद्धि/कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित गंगा बहुउद्देशीय सभागार में दिखाया गया। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की उपस्थिति में जनपद स्तर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य मंत्रियों के वर्चुअल उद्बोधन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शामिल जनपद के किसान भाइयों को जिलाधिकारी ने ध न्यवाद ज्ञापित किया।

प्रभारी न्यायाधीश ने प्रचार वाहनों को किया रवाना

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 9 मार्च को जनपद न्यायाधीश लखनऊ अश्वनी कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय में किया जाना सुनिश्चित किया गया है। आज राजधानी में राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार–प्रसार हेतु जनपद न्यायाधीश,अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन में अपर जिला, जनपद न्यायाधीश प्रभारी जज मीना श्रीवास्तव ने प्रचार वाहन को पुराना उच्च न्यायालय परिसर कैसरबाग लखनऊ से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अपर जिला जज मीना श्रीवास्तव ने न्यायिक अधिकारियों से अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विगत राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ता व वादकारियों के प्रयास से काफी संख्या में वादों का निस्तारण हुआ था। न्यायिक अधिकारी इस दौरान अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कराने का प्रयास करें। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी कचहरी, कलेक्ट्रेट, जनपद की समस्त तहसीलों, पारिवारिक न्यायालय, मोबाइल फोन व केवल नेटवर्क संबंधी प्रकरण, आयकर, बैंक व अन्य वित्तीय संस्थाओं से सम्बन्धित प्रकरण, दीवानी वाद, उत्तराधिकार वाद, किरायेदारी वाद, पारिवारिक वाद, वैवाहिक प्रीलिटिगेशन मागले, मोटर दुर्घटना, प्रतिकर वाद, चेक बाउंस के मामले, जनोपयोगी सेवाओं राजस्वध्चकबंदी, श्रम वाद, आरबीट्रेशन वाद, चालानी वाद व शमनीय प्रकृति के क्रिमिनल वाद का निस्तारण कराया जा सकता है। इस अवसर पर अपर जिला जजधसचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ सत्येंद्र सिंह अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि की 10 महत्वपूर्ण बातें जो सबको पता होना चाहिए, यहां जानें

हिंदू धर्म के प्रमुख पर्वों में से एक, महाशिवरात्रि, भगवान शिव के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण उत्सव है। यह दिन शुभता और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक है।वर्ष 2024 में, महाशिवरात्रि 8 मार्च, शुक्रवार को मनाई जाएगी। आइए जानते हैं इस पर्व से जुड़ी 10 महत्वपूर्ण बातें।

महाशिवरात्रि 2024 : 10 महत्वपूर्ण बातें जो आपको जाननी चाहिए

1. कब है? जैसा कि बताया गया है, महाशिवरात्रि 2024 में 8 मार्च, शुक्रवार को पड़ रही है।

2. महत्व : महाशिवरात्रि का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। कुछ मान्यताओं के अनुसार,

इसी दिन शिवलिंग का प्रकट हुआ था। भक्त इस दिन भगवान शिव की आराधना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

3. पूजा विधि : महाशिवरात्रि पर भक्त भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं, पंचामृत चढ़ाते हैं, और बेलपत्र, धतूरा, भांग आदि अर्पित करते हैं। भक्त उपवास भी रखते हैं और रात भर जागरण करते हैं।

4. शिव योग और शुक्र प्रदोष : इस वर्ष, महाशिवरात्रि शिव योग में पड़ रही है, जो इसे और भी खास बनाता है। साथ ही, यह दिन शुक्र प्रदोष के साथ भी मेल खाता है, जो भगवान शिव के उपासकों के लिए अति शुभ होता है।

5. 12 ज्योतिर्लिंगों का दर्शन : महाशिवरात्रि के दिन 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का विशेष महत्व माना जाता है। हालांकि, हर किसी के लिए सभी ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करना संभव नहीं है। इसलिए, भक्त अपने निकटतम शिव मंदिर में जाकर पूजा–अर्चना कर सकते हैं।

6. धार्मिक जुलूस और सांस्कृतिक कार्यक्रम : कई स्थानों पर महाशिवरात्रि के अवसर पर धार्मिक जुलूस निकाले जाते हैं। इसके अलावा, भजन–कीर्तन, शिव नाट्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

7. सकारात्मकता और आत्मिकता : महाशिवरात्रि का पर्व आध्यात्मिक जागरण और सकारात्मकता का संदेश देता है। इस दिन भक्त शिव के अनुग्रह से मोक्ष की प्राप्ति और कल्याण की कामना करते हैं।

8. शिवरात्रि व्रत का पालन : कई भक्त महाशिवरात्रि का व्रत रखते हैं। यह व्रत सूर्योदय से अगले दिन सूर्योदय तक रखा जाता है। व्रत के दौरान, सात्विक भोजन किया जाता है और मन को शुद्ध रखने का प्रयास किया जाता है।

9. शिवरात्रि की सामाजिक महत्ता : महाशिवरात्रि का पर्व केवल धार्मिक ही नहीं बल्कि सामाजिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। यह पर्व लोगों को एक साथ लाता है और समुदाय की भावना को मजबूत करता है।

10. शांति और सद्भावना का संदेश : महाशिवरात्रि का पर्व शांति और सद्भावना का संदेश देता है। इस दिन लोग आपस में प्रेम और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लेते हैं।

जेएनसीयू में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी का आयोजन

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'इंवेस्ट इन वुमनः एक्सीलरेट प्रोग्रेस' विषय पर आयोजित इस गोष्ठी में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि महिलाओं की प्रगति के साथ ही समाज की प्रगति जुड़ी हुई है। कहा कि महिलाएं सहनशील होने के साथ ही अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध होती हैं। इसलिए महिलाओं की कैरियर में प्रगति भी तेजी से होती है। यही वजह है कि महिलाओं पर किया गया निवेश पूरे समाज की प्रगति की गति को बढ़ाता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती ललिता देवी, ग्राम प्रधान ब्रह्माईन

रहीं। विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ. विनीत सिंह ने महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। अतिथि स्वागत डॉ. अजय चौबे, संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विवेक यादव ने किया। इस अवसर पर प्रज्ञान प्रतिनिधि श्री मुरलीधर यादव के साथ परिसर के प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संस्कार गीत प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ समापन

बलिया। युवा लोकगीत गायक शैलेंद्र मिश्र के निर्देशन में विगत तीन दिनों से चल रहे हैं संस्कार गीत प्रशिक्षण कार्यशाला का आज समापन हो गया। कार्यशाला में 20 लड़के लड़कियों ने प्रतिभाग किया जिन्हें अलग–अलग संस्कारों पर गाए जाने वाले गीतों का प्रशिक्षण दिया गया। संकल्प साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था बलिया द्वारा तीन दिवसीय निरूशुल्क संस्कार गीत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। संकल्प के सचिव आशीष त्रिवेदी ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को अपनी कला और संस्कृति से परिचय कराना है। इस मुहिम को बल दिया युवा गायक शैलेन्द्र मिश्र ने। शैलेन्द्र मिश्र एक कुशल लोक गीत गायक होने के साथ प्रशिक्षक भी हैं। इनका उद्देश्य है कि अलग अलग क्षेत्रों में इस तरह के कार्यशाला का आयोजन कर नयी पीढ़ी को भोजपुरी गीतों की परम्परा से परिचित कराना। कार्यशाला में प्रशिक्षित सभी कलाकार 16,17 मार्च को संकल्प संस्था द्वारा आयोजित होने वाले लोकरंग उत्सव में प्रतिभाग करेंगे। कार्यशाला के संयोजक रंगकर्मी आनन्द कुमार चौहान ने शैलेन्द्र मिश्र को बुके देकर सम्मानित किया।

बाबू मैनेजर सिंह के नाम पर होगा बैरिया पालिटेक्निक

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के प्रयास पर शासन ने लगाया मुहर

बलिया। बैरिया के इब्राहिमाबाद रानीगंज में निर्मित राजकीय पालिटेक्निक अब द्वाबा के मालवीय के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले पूर्व विधायक स्व. बाबू मैनेजर सिंह के नाम से जाना जाएगा। जी हां शासन ने परिवहन मंत्री व नगर विधायक दयाशंकर सिंह के प्रयास पर इसके लिए अपनी मुहर लगा दिया है। इसकी जानकारी देते हुए परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि द्वाबा क्षेत्र में शिक्षा को लेकर सदैव तत्पर रहने वाले जननायक मेरे मामाजी बाबू मैनेजर सिंह के नाम पर राजकीय पालिटेक्निक का नाम रखने के लिए प्राविधिक शिक्षा

विभाग से अनुरोध किया गया था। मामले में शासन ने सम्यक विचारोपरांत राजकीय पालिटेक्निक रानीगंज का नामकरण पूर्व विधायक मेरे मामाजी मैनेजर सिंह के नाम पर करने की मंजूरी दे दी है। ऐसे में अब यह संस्थान जननायक स्व. बाबू मैनेजर सिंह राजकीय पालिटेक्निक बैरिया बलिया के नाम से जाना जाएगा। कहा कि शासन ने इसकी मंजूरी देकर शिक्षा के लिए सदैव साकारात्मक रहने वाले बाबू मैनेजर सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम किया है। इससे द्वाबा क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा संदेश जाएगा।

पूर्वजों की स्मृति में ज्ञान-दान सर्वश्रेष्ठ कार्य है: उमानंद शर्मा

लखनऊ (यूएनएस)। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत ''डॉ. आशा स्मृति महाविद्यालय, चिनहट, देवां रोड, लखनऊ'' के पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 404वाँ ऋषि वांड़मय की स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उमानंदन शर्मा जी ने सभी छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों को एक-एक अखण्ड ज्योति पत्रिका भेंट की। इस अवसर पर वाड्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ''पूर्वजों की स्मृति में ज्ञान-दान सर्वश्रेष्ठ कार्य है'' संस्थान के निदेशक डॉ. पुनीत अवस्थी, प्रबन्धक डॉ. एस.एन. अवस्थी, अपने विचार व्यक्त किये। संस्थान के प्राचार्य डॉ. पुनीत कुमार श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री का दावा...यूपी की 80 सीटें जीतेंगे:अनुराग ठाकुर

वाराणसी (यूएनएस)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर वाराणसी में 9 मार्च को पीएम मोदी के वाराणसी आगमन से पहले अनुराग ठाकुर यहां पहुंचे हैं। वो यहां बाइक रैली में शामिल हुए। बाइक रैली में बड़ी संख्या में भाजपा के शामिल हुए हैं। अनुराग ठाकुर ने लंका चौराहा स्थित मालवीय जी की प्रतिमा पर नमन किया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर रोहनिया स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पर बीजेपी कार्यकर्ताओं से साथ मीटिंग किया। इस बैठक में वाराणसी लोकसभा क्षेत्र के सभी मंडल और बूथ संयोजक समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे। इससे पहले उन्होने चंदौली में चंदौली लोकसभा मीटिंग के दौरान कार्यकर्ताओं से संवाद किया 2024 चुनाव के दौरान बीजेपी कार्यकर्ता महेंद्र नाथ पांडेय को जिताने का संकल्प दिलाया।

उन्होने वाराणसी में कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में यूपी और देश से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा। सनातन और धार्मिक स्थलों का विरोध करना कांग्रेस पार्टी की आदत है, जिसका जवाब जनता चुनाव में देगी। भगवान राम और राम मंदिर पर टिप्पणी करना, सनातन धर्म को कुचलने की बात करना, उत्तर दक्षिण को अलग करने की बात करना, टुकड़े-टुकड़े करने वाले लोगों का समर्थन करना कांग्रेस पार्टी की सोच और चरित्र को प्रदर्शित करता है। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे। एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद भाजपा को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और विकसित राष्ट्र बनाएंगे। 18 वर्ष के युवकों से बढ़ चढ़कर कर मतदान करने की अपील करते हुए देश को आगे बढ़ाने में योगदान मांगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन पर बहुत बल देती है, शीर्ष नेतृत्व के रूप में प्रधानमंत्री काशी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। भाजपा कार्यकर्ता 400 पार के लिए कमर कस लें, यूपी में सभी 80 सीटें जीतकर नया रिकॉर्ड कायम करेंगे। अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि राहुल गांधी की यह हालत हो गई है कि उनकी गाड़ी के आगे ना कोई ना ही पीछे।

हताश निराश राहुल गांधी कुछ नहीं कर सकते हैं। नेहरू गांधी परिवार की चार-चार पीढ़ियों को जनता का वोट मिलता था, लेकिन अब उन्हें कोई पूछने नहीं आता। यूपी और देश से कांग्रेस की विदाई हो चुकी है। महागठबंधन दिखावे का गठबंधन है यह पूरी तरह से ठगबंधन है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का विरोध करना कांग्रेस पार्टी की आदत है। राम के खिलाफटिप्पणी करना, सनातन धर्म का विरोध और बयानबाजी कांग्रेस की असली तस्वीर है। कर्नाटक से कांग्रेस उम्मीदवार के राज्यसभा चुनाव जीतने पर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगते हैं लेकिन राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे खामोश रहे। कांग्रेस पार्टी इस बार इतनी भी सीट नहीं जीत पाएगी कि नेता प्रतिपक्ष बन सके।

पीएम नरेंद्र मोदी की लगेगी हैट्रिकः अनुप्रिया

लखनऊ (यूएनएस)। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि आज गुरुवार को कहा कि अपना दल एस ने अपने काम से कीर्ति अर्जित की है। हम अपने गठबंधन के पाले रोज-रोज नहीं बदलते हैं। हम अपनी विचारधारा के साथ निरंतर कायम रहने वाले लोग हैं, इसलिए हमारे दबे कुचले लोगों के हितों से जुड़ा कोई भी मसला आया है तो इस 10 साल में हमने विधानसभा से लेकर संसद तक उठाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बहुत मसलों का समाधान हुआ है। एक ज्वलंत मसला है 69000 शिक्षक भर्ती। इसके लिए भी हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में हुई एनडीए घटक दल की बैठक में न्यायपूर्ण कार्रवाई के लिए हमने अपना पक्ष स्पष्ट तौर पर रखा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी बात को सुना गया है और उसका निदान हुआ है। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी इसका हल निकालेंगे। इस पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई है। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल गुरुवार को पार्टी के कैंप कार्यालय पर पार्टी पदाधिकारियों व जिलाध्यक्षों को संबोधित कर रहीं थी। उन्होंने कहा कि अब घर बैठने का समय नहीं है। लोकसभा चुनाव में अपना दल एस का स्ट्राइक रेट 100 फीसदी रहा है और इस बार भी यह स्ट्राइक रेट 100 फीसदी रहेगा। 2024 में हमारा दायित्व ये है कि अपने स्ट्राइक रेट को बुलंदी पर बनाए रखना है। मुझे कार्यकर्ताओं पर पूरा भरोसा है। होने जा रहे लोकसभा चुनाव में भी यह कायम रहेगा। श्रीमती पटेल ने कहा कि एनडीए गठबंधन ने पीएम मोदी की हैट्रिक लगाने का फैसला किया है। हमें 400 पार जाने के लिए यूपी की 80 की 80 सीटें जीतना है। इसलिए हमें अपना दल एस के साथ एनडीए का स्ट्राइक रेट भी 100 फीसदी रखना है। इस बार एनडीए का कुनबा बढ़ा है। इसमें निषाद पार्टी, सुभासपा, रालोद और भाजपा सबसे बड़े सहयोगी के तौर पर हैं।

स्वदेश दर्शन योजना, पीएम ने यूपी को दी 29 करोड़ की दो परियोजनाओं की सौगात

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केन्द्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना द्वितीय के अन्तर्गत प्रदेश के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल सीतापुर स्थित नैमिषारण्य एवं प्रयागराज की लगभग 29 करोड़ रूपये की दो परियोजनाओं का शिलान्यास किये जाने पर आभार व्यक्त करते हुये कहा कि दोनों पर्यटनों स्थलों को स्वदेश दर्शन योजना में शामिल किये जाने से प्रदेश के पर्यटन को नयी उड़ानमिलेगी। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश को पर्यटन का हब बनाने के लिये इन दोनों परियोनजाओं की सौगात दी है। नैमिषारण्य की परियोजना की लागत 15.95 करोड़ रुपये तथा प्रयागराज की परियोजना की लागत 13.02 करोड़ रूपये है। उन्होने कहा कि इन परियोनजाओं के धरातल पर उतरने से प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही रोजगार के नये अवसर तथा होटल, रेस्टोरेन्ट, टूर ऑपरेटर आदि के कारोबार बढ़ेंगे। पर्यटन मंत्री आज पर्यटन मीटिंग हॉल, सत्संग भवन, रेलवे स्टेशन रोड, नीमसार सीतापुर में प्रधानमंत्री द्वारा श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर से एक केन्द्रीकृत वर्चुअल समारोह के माध्यम से परियोजनाओं के शुभारम्भ एवं लोकार्पण के अवसर पर उपस्थित थे। उन्होने इस अवसर पर सम्बोधित करते हुये कहा कि पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदेश के विशाल आकार तथा सांस्कृतिक विरासत एवं पर्यटन की असीम सम्भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुये प्रधानमंत्री ने प्रयागराज एवं नैमीषारण्य को अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किये जाने के लिये स्वदेश दर्शन स्कीम द्वितीय के तहत चयनित किया है जयवीर सिंह ने कहा कि समेकित पर्यटन विकास हेतु पहले चरण में प्रयागराज के आजाद पार्क एवं देखों प्रयागराज ट्रेल एक्सपीरियन्स योजना के अन्तर्गत टूरिस्ट इन्फारमेशन सेन्टर, आजाद मेमोरियल प्लाजा का उच्चीकरण, विक्टोरिया मेमोरिया लैण्ड स्केप का उच्चीकरण, कल्प वृक्ष लैण्डस्केप का उच्चीकरण, एडवेन्चर पार्क, सीसीटीवी, ट्रैवलर्स नूक, गेटअपग्रेडेशन, देखो प्रयागराज वर्ल्ड आर्ट, मिनी बस, पार्किंग एवं टॉयलेट आदि कार्यों हेतु 13.02 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है।

प्रेस पुस्तक पंजीकरण अधिनियम की धारा–19 डी. के अधीन प्रकाशनार्थ अपेक्षित 'जनवीणा' हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र लखनऊ के स्वामित्व सम्बन्धी व अन्य विवरण

फार्म –4 (नियम 8 देखिए)

1–	प्रकाशन स्थान	: प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग विधान सभा मार्ग, हजरतगंज लखनऊ–226001 (उ.प्र.)
2–	प्रकाशन अवधि	: साप्ताहिक
3–	मुद्रक का नाम	: सुधा द्विवेदी
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग विधान सभा मार्ग, हजरतगंज लखनऊ–226001 (उ.प्र.)
4–	प्रकाशक का नाम	: सुधा द्विवेदी
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग विधान सभा मार्ग, हजरतगंज लखनऊ–226001 (उ.प्र.)
5–	सम्पादक का नाम	: सुधा द्विवेदी
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग विधान सभा मार्ग, हजरतगंज लखनऊ–226001 (उ.प्र.)
6–	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचारपत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक हिस्से के अंशधारी या साझीदार हैं।	सुधा द्विवेदी

मैं सुधा द्विवेदी एतदद्वारा घोषित करती हूँ कि उपरोक्त दी गई विशिष्टियां मेरी अधिकतम जानकारी और विश्वास से सत्य हैं।

दिनांक–07.03.2024

प्रकाशक

सुधा द्विवेदी

महाशिवरात्रि पर योगी गोरखपुर को देंगे बड़ी सौगात

लखनऊ (यूएनएस)। देवाधिदेव महादेव की आराधना के पावन पर्व महाशिवरात्रि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को धुरियापार में बने इंडियन ऑयल के सीबीजी प्लांट का लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर वह बांसगांव लोकसभा क्षेत्र को 222 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। सीएम 68 करोड़ रुपये से अधिक की 20 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 154 करोड़ रुपये से अधिक की 17 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे।

सीबीजी प्लांट समेत इन सभी विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास का समारोह धुरियापार की बंद चीनी मिल परिसर में शुक्रवार को दोपहर बाद होगा। धुरियापार की बंद पड़ी चीनी मिल के 50 एकड़ परिसर में बायो फ्यूल कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराने की जिम्मेदारी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड को मिली है। इसका शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और तत्कालीन केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 18 सितंबर 2019 को किया था। पहले चरण में सीबीजी और दूसरे में एथेनाल का उत्पादन होगा। इस कॉम्प्लेक्स में पहले चरण में सीबीजी (कंप्रेस्ड बायो गैस) और दूसरे चरण में एथेनाल का उत्पादन होना है। इंडियन ऑयल ने सीबीजी (कंप्रेस्ड बायो गैस) प्लांट का निर्माण धुरियापार चीनी मिल परिसर में 18 एकड़ भूमि पर 165 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश से किया है। इस प्लांट के निर्माण में 95 प्रतिशत स्थानीय सामग्री का उपयोग किया गया है। निर्माण पूर्ण होने के बाद यहां अक्टूबर 2023 से सीबीजी उत्पादन का ट्रायल किया जा रहा था। अब शुक्रवार को सीएम योगी इसका विधिवत उद्घाटन करेंगे। निर्धारित क्षमता पर प्लांट प्रतिदिन 200 मीट्रिक टन कृषि अवशेष (धान का भूसा) 20 मीट्रिक टन प्रेसमड और 10 मीट्रिक टन मवेशियो के गोबर का उपयोग करेगा। बायोगैस प्लांट प्रतिदिन लगभग 20 मीट्रिक टन बायोगैस और 125 मीट्रिक टन जैविक खाद का उत्पादन करेगा। इस प्लांट की अन्य महत्वपूर्ण विशेषताओ में से एक विशेषता यह है कि यह प्रदूषण के प्रति अत्यन्त संवेदनशील है तथा दूसरी विशेषता यह है कि इसमें लिक्विड डिस्चार्ज शून्य है। यहां उत्पादित बायोगैस को इस क्षेत्र के आसपास के स्थानीय इंडियन आयल पेट्रोल पंपों के माध्यम से बेचा जा सकेगा। इससे गोरखपुर के आसपास के सीएनजी चालित वाहनों को ईंधन उपलब्ध कराया जायेगा। प्लांट के लिए जरूरी 70000 मीट्रिक टन पराली गोरखपुर के आसपास के 30-35 हजार किसानों के माध्यम से उनके खेतों से एकत्रित की जायेगी। पराली एकत्रण का यह कार्य न केवल किसानों की आय में वृद्धि करने में सहायक होगा, साथ ही पराली जलाने की समस्या से भी निजात मिलेगा। इसके साथ ही उत्पादन से वितरण तक विभिन्न प्रकार के रोजगार भी सृजित होंगे। सीबीजी प्लांट से उत्पादित जैविक खाद फसलों का उत्पादन बढ़ाने के साथ मिट्टी के स्वास्थ्य की भी रक्षा करेगी। सीबीजी प्लांट का उद्घाटन करने के साथ ही शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बांसगांव संसदीय क्षेत्र में हर घर नल से जल पहुंचाने की 20 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इस पर 68 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि खर्च की गई है। इसके अलावा सीएम सड़क निर्माण व बाढ़ बचाव की 17 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। शुक्रवार को महाशिवरात्रि के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी है।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में चल रहे सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर में पहुंचकर 221 महिलाओं को निशुल्क सिलाई मशीन वितरित करेंगे। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण का यह कार्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सौजन्य से हो रहा है।

विश्व रिकार्ड के लिए 10 मार्च को 5 हजार महिलाएं करेंगी सामूहिक सुदरकाड

लखनऊ (यूएनएस)। बृहस्पतिवार को सत्य सनातन नारी शक्ति-लक्ष्मण पुरी, की ओर से सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल की अगुवाई में विश्व रिकार्ड के लिए 10 मार्च को पाच हजार महिलाएं सामूहिक सदुरकांड का पाठ करेंगी। यह आयोजन झूलेलाल घाट पर होगा। यह जानकारी सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल ने बृहस्पतिवार सात मार्च को प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में दी। सपना गोयल ने हिन्दुओं का आवाहन किया कि हिंदू अपने अपने स्थानीय मंदिरों पर हर मंगलवार को एकत्र होकर सुंदरकांड का पाठ अवश्य करें। श्री परमान्द हरि हर मन्दिर की संस्थापिका सपना गोयल ने बताया कि देवों और सतो की भूमि-भारत को अपनी आध्यात्मिक सनातन पहचान दिलवाने के लिए आगामी 10 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 5 हजार महिलाओं द्वारा एक साथ सुंदरकांड कराने का संकल्प लिया गया है। इस दिशा में उनके द्वारा गठित 51 शक्तिपीठ द्वारा महिलाओं को कार्य सौंपे जा चुके हैं। इससे पहले फवरी में जनजागृति के लिए ग्रामोत्सव के अतर्गत संगोष्ठी का भी आयोजन जेसी गेस्ट हाउस में करवाया गया था।सपना गोयल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के 12 जिले पीलीभीत, बरेली, मुरादाबाद, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, लखीमपुर रायबरेली, बनारस, सुल्तानपुर, बाराबंकी, अयोध्या नगरी सहित प्रदेश के पचास गाव और देश में मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली उडीसा, कर्नाटक के बेंगलुरु और महाराष्ट्र की राजधानी मुम्बई तक में यह अभियान पहुंच चुका है। विदेशों में मॉरिशस, अमेरिका, साउथ अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी दुबई तक में यह अभियान सक्रिय हैं। सपना गोयल के अनुसार भगीरथ ने अपने पूर्वज राजा सगर के साठ हजार पुत्रो को जिस तरह मुक्ति दिलवायी थी उसी तरह उनका भी सकल्प, मानव जाति का कल्याण करना है। इसकी प्रेरणा उन्हें साल 2022 में बाबा अमरनाथ से मिली थी। सपना गोयल ने बताया कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को प्रभु श्रीराम के अनुज लक्ष्मण के नाम पर बसी लक्ष्मणपुरी, के मूल नाम को लोकप्रिय करवाने और सनातन धर्म के पुनरुत्थान के लिये वह बीते कई वर्षों से मंदिर निर्माण कार्य और मंदिरों के जीर्णोद्धार की सेवा भी कर रही है।

69000 शिक्षक भर्ती,नियुक्ति की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने घेरा शिक्षामंत्री का आवास

लखनऊ (यूएनएस)। 69000 शिक्षक भर्ती के अंतर्गत चयनित 6800 आरक्षित वर्ग के शिक्षक अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर गुरुवार को शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया। इस दौरान अभ्यर्थियों ने जोरदार नारेबाजी भी की।

मंत्री के आवास पर भारी पुलिस बल तैनात है। प्रदर्शन कर रहे, अभ्यर्थियों ने नारेबाजी करते हुए कहा, शिक्षा मंत्री न्याय करो। दरअसल लखनऊ हाई कोर्ट के डबल बेंच में 69000 शिक्षक भर्ती संबंधित मामले की सुनवाई चल रही है। अभ्यर्थियों का कहना है कि शिक्षा मंत्री ने मीटिंग में जो वादे किए थे। उसके मुताबिक सरकार के वकील कोर्ट में पक्ष नहीं रख रहे हैं, बल्कि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का विरोध कर रहे हैं। इसी बात से नाराज अभ्यर्थी शिक्षा मंत्री आवास का घेराव कर रहे है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने कहा की 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू करने में घोर अनियमितता बरती गई जिस कारण आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नौकरी से वंचित कर दिया गया।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा प्रिंट आर्ट आफसेट, 33 कैण्ट रोड, लखनऊ से मुद्रित तथा प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
क्रिएटिव एडिटर
नैमिष सोनी
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255
ईमेल :janveenanews@gmail.com
RNI No. UPHIN/2011/43668
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।